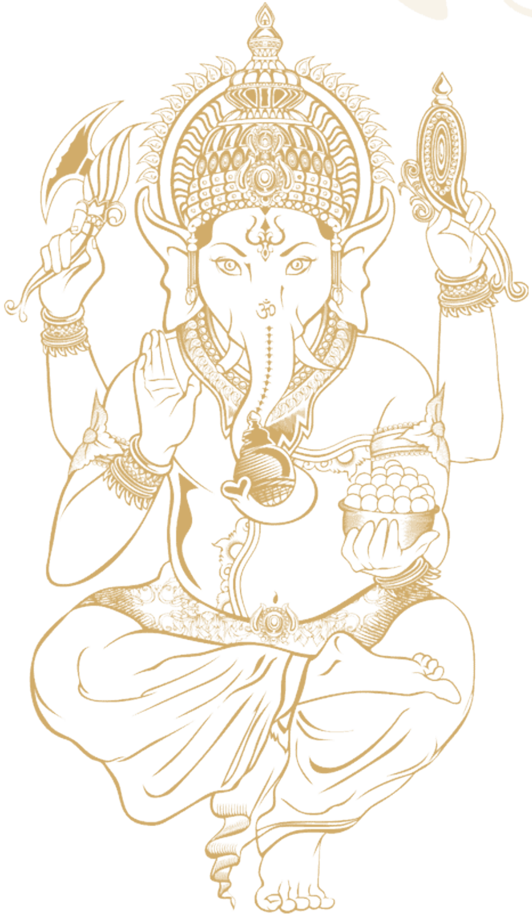

Lovepreet

Bhawna

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121335201

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/11/1994	जन्म तिथि	12-13/12/2004
मंगल-बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 56:01:34	जन्म समय(घटी)	52:09:58 घटी
India	देश	India
Karnal	स्थान	Karnal
29:41:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
76:59:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:04	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:22	सूर्योदय	07:08:00
17:35:47	सूर्यास्त	17:23:53
23:47:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:26

कन्या	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	धनु
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
हस्त	नक्षत्र	मूल
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	गण्ड
विष्टि	करण	बालव
ठ-ठाकुर	जन्म नामाक्षर	भा-भावना
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	श्वान
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 1मा 8दि	
गुरु	
10/12/2019	
10/12/2035	
गुरु	28/01/2022
शनि	10/08/2024
बुध	16/11/2026
केतु	23/10/2027
शुक्र	23/06/2030
सूर्य	11/04/2031
चन्द्र	10/08/2032
मंगल	17/07/2033
राहु	10/12/2035

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
24:05:08	कन्या		लग्न		तुला	16:13:32
15:31:35	तुला		सूर्य		वृश्चि	27:19:53
23:11:34	कन्या		चंद्र		धनु	09:45:46
21:05:29	कर्क		मंगल		तुला	27:23:15
27:44:07	कन्या		बुध	व	वृश्चि	21:14:35
27:57:18	तुला		गुरु		कन्या	21:06:49
17:06:52	तुला	व	शुक्र		वृश्चि	01:21:53
11:56:20	कुंभ	व	शनि	व	कर्क	02:20:28
21:01:19	तुला	व	राहु	व	मेष	07:03:08
21:01:19	मेष	व	केतु	व	तुला	07:03:08
29:00:17	धनु		हर्ष		कुंभ	09:21:34
27:02:25	धनु		नेप		मक	19:21:21
03:27:02	वृश्चि		प्लूटो		वृश्चि	28:05:23

विंशोत्तरी	
केतु 1वर्ष 10मा 15दि	
शुक्र	
28/10/2006	
28/10/2026	
शुक्र	27/02/2010
सूर्य	27/02/2011
चन्द्र	28/10/2012
मंगल	28/12/2013
राहु	28/12/2016
गुरु	29/08/2019
शनि	28/10/2022
बुध	28/08/2025
केतु	28/10/2026

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:47:16 चित्रपक्षीय अयनांश 23:55:26

लग्न-चलित

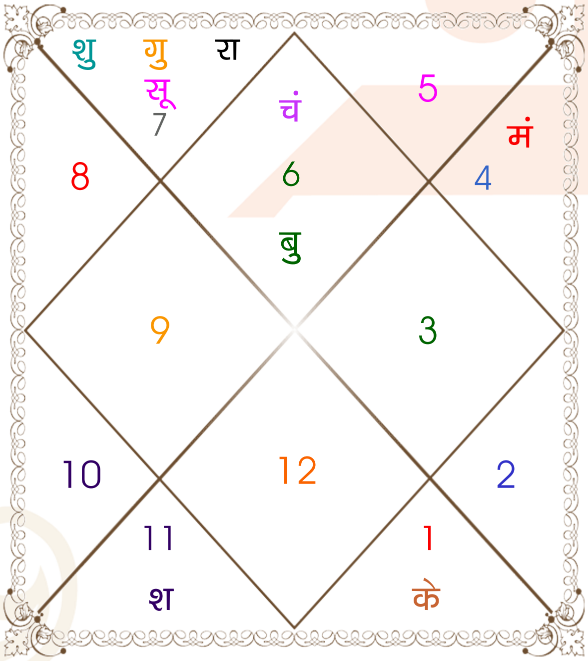

लग्न-चलित

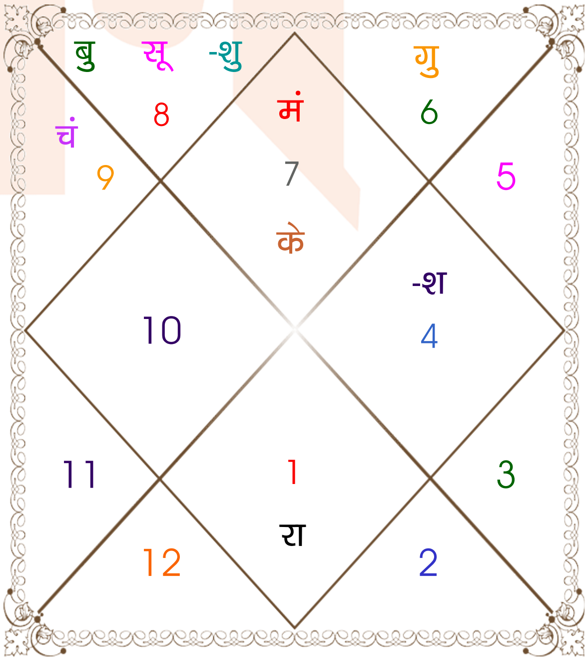

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

कुल : 14 / 36

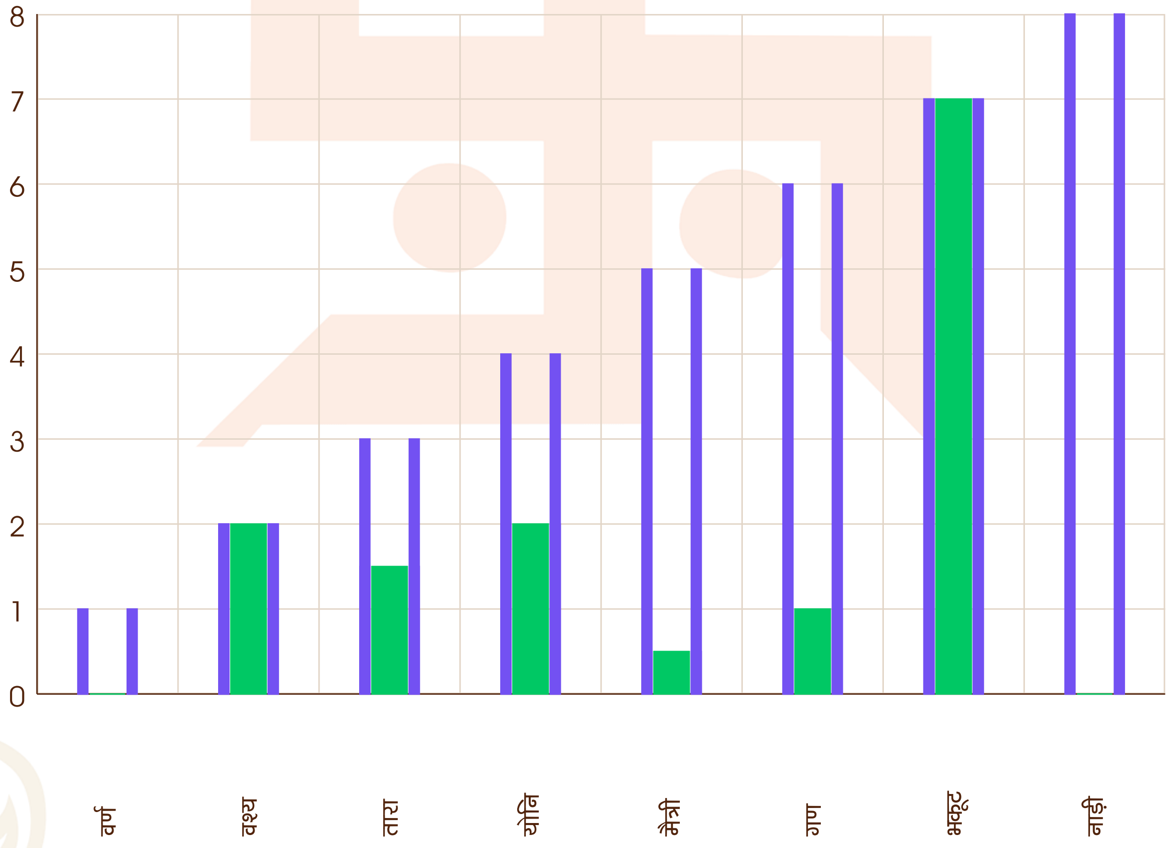

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

स्वअमचतममज का वर्ग श्वान है तथा Bhawna का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्वअमचतममज और Bhawna का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

स्वअमचतममज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Bhawna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि स्वअमचतममज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

स्वअमचतममज तथा Bhawna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

स्वअमचतममज का वर्ण वैश्य है तथा Bhawna का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Bhawna का वर्ण स्वअमचतममज के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Bhawna अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Bhawna को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

स्वअमचतममज का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Bhawna का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। स्वअमचतममज एवं Bhawna दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

स्वअमचतममज की तारा क्षेम तथा Bhawna की तारा वध है। Bhawna की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह स्वअमचतममज एवं Bhawna दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Bhawna अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

स्वअमचतममज की योनि महिष है तथा Bhawna की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में स्वअमचतममज का राशि स्वामी Bhawna के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Bhawna का राशि स्वामी स्वअमचतममज के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

स्वअमचतममज का गण देव तथा Bhawna का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Bhawna निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Bhawna की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

स्वअमचतममज से Bhawna की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Bhawna से स्वअमचतममज की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण स्वअमचतममज परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Bhawna घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने

की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

स्वअमचतममज की नाड़ी आद्य है तथा Bhawna की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। स्वअमचतममज एवं Bhawna दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

स्वअमचतममज की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Bhawna की राशि अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। पृथ्वी एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण स्वअमचतममज और Bhawna के मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु अपनी बुद्धिमता एवं सामंजस्यशील प्रवृति के कारण इसके प्रभाव में न्यूनता होगी जिससे संबधों में मधुरता रहेगी। अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

स्वअमचतममज की राशि का स्वामी बुध तथा Bhawna की राशि का स्वामी बृहस्पति क्रमशः परस्पर शत्रु एवं समभाव में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से स्वअमचतममज और Bhawna एक दूसरे के गुणों को तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे आपसी संबधों में समय समय पर तनाव तथा कटुता का वातावरण उत्पन्न होगा एवं एक दूसरे की आलोचना तथा बुराई करेंगे। अतः यदि बुद्धिमता पूर्वक स्वअमचतममज और Bhawna परस्पर एक दूसरे को समझने का प्रयास करें तो उनका जीवन सुखमय हो सकता है।

स्वअमचतममज और Bhawna की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। इसको शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे का स्वतंत्र अस्तित्व भी स्वीकार करेंगे। अतः आपसी संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद प्राप्त करने में समर्थ होंगे।

स्वअमचतममज और Bhawna दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे ।

स्वअमचतममज का वर्ण वैश्य तथा Bhawna का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Bhawna की कार्य क्षमता स्वअमचतममज से अधिक रहेगी । स्वअमचतममज धनार्जन की प्रवृति से युक्त रहेंगे तथा वणिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे परन्तु Bhawna की प्रवृति परिश्रमी पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने की रहेगी। अतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

स्वअमचतममज और Bhawna दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन

धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

स्वअमचतममज और Bhawna दोनों ही आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन्हें नाड़ी दोष से कष्ट की अनुभूति होगी। आद्य नाड़ी का विशेष प्रभाव स्वअमचतममज के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से पक्षाघात आदि से वे कष्ट प्राप्त करेंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशी में अल्पता रहेगी। साथ ही मंगल के दुष्प्रभाव से भी स्वअमचतममज को स्वास्थ्य संबधी परेशानियां रहेगी फलतः वे धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे उनकी संभोग शक्ति भी प्रभावित होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह उत्पन्न होगा एवं परस्पर असन्तुष्टि का भाव रहेगा। अतः इसके अशुभ फलों को दूर करने के लिए उन्हें नित्य हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए। रहेगा। वैसे सामान्यतया ऐसी स्थिति में विवाह की उपेक्षा ही करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से स्वअमचतममज और Bhawna का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त स्वअमचतममज और Bhawna के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Bhawna के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Bhawna को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Bhawna को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से स्वअमचतममज और Bhawna सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार स्वअमचतममज और Bhawna का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Bhawna के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्घांत Bhawna के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Bhawna अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Bhawna के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

स्वअमचतममज तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में स्वअमचतममज के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से स्वअमचतममज के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण स्वअमचतममज के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।